सुविचार

खुद का अपमान कराके जीने से तो अच्छा मर जाना है क्योंकि प्राणों के त्यागने से केवल एक ही बार कष्ट होता है पर अपमानित होकर जीवित रहने से आजीवन दुःख होता है।

-चाणक्य

हैलो सरकार

जनता की भावनाओं एवं आकांक्षाओं का एकमात्र समाचार-पत्र

www.hellosarkar.com www.hellosarkar.com www.hellosarkar.com www.hellosarkar.com www.hellosarkar.com

पल-पल की टी.वी. एवं रेडियो खबरों के लिए लॉग ऑन करें- www.hellosarkar.com

हैलो सरकार समाचार पत्र में नियमित पाठक बनने, समाचार की प्रति मंगवाने व विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
फोन: 0141-2202717
मो: 9214203182
वाट्सप नं. 9928078717

वर्ष-23 | अंक-245 | दैनिक प्रभात संस्करण | जयपुर, शुक्रवार 09 मई , 2025 | पृष्ठ-4 | मूल्य: 2.50

भारत-पाक तनाव-जैसलमेर और पोकरण के आसमान में गूंजे धमाके, प्रशासन पूरी तरह हाई अलर्ट

सीमावर्ती जिलों में अलर्ट जारी

जैसलमेर। रात 9 बजे ब्लैकआउट हुआ। पूरे शहर की बिजली बंद हो गई। 5 मिनट ही बीते थे। अचानक शहर के

मुख्यमंत्री निवास पर उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक

जयपुर-राजस्थान में पाकिस्तान की ओर से ड्रोन हमले और सीमा क्षेत्रों में बढ़ते तनाव के बीच मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आज शाम मुख्यमंत्री निवास पर उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक बुलाई। बैठक में राज्य की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में शामिल हुए शीर्ष अधिकारी

इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य सचिव, गृह सचिव, राज्य पुलिस महानिदेशक (ष्ठत्क्क), ष्ठत्र इंटेलिजेंस, और ष्ठत्र (कानून व्यवस्था) सहित राज्य के तमाम सुरक्षा और प्रशासनिक विभागों के शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे। सभी अधिकारियों को सीमावर्ती जिलों में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए गए।

सीमावर्ती जिलों में विशेष अलर्ट

पाकिस्तान की ओर से जैसलमेर, बाड़मेर, श्रीगंगानगर और बीकानेर जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोन्स की गतिविधियों और ब्लैकआउट के मद्देनज़र राजस्थान सरकार ने इन क्षेत्रों को ञ्स्पेशल वॉच ज़ोन घोषित कर दिया है। पुलिस, क्र्स्त्र और प्रशासन को आपसी समन्वय से 24×7 निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

जनता से शांति बनाए रखने की अपील

मुख्यमंत्री शर्मा ने आमजन से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। उन्होंने कहा, राज्य सरकार केंद्र सरकार और सेना के साथ समन्वय में है। सभी संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी की जा रही है और आमजन की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

आसमान में धमाके शुरू हो गए। करीब 9 .10 बजे तक लगातार शहर के चारों तरफ धमाकों की आवाज गूंजने लगी। अंधेरे के बीच पूर्व दिशा की ओर से आसमान में धमाकों से रोशनी दिखने लगी। पूरे शहर में इन धमाकों से अफरा-तफरी मच गई। ब्लैकआउट में कई लोगों ने घरों में पूरी तरह लाइट बंद नहीं की थी।

लेकिन जैसे ही धमाके होने लगे, वैसे घबराकर लोगों ने अपने घरों में जल रही छोटी लाइटें भी बंद कर दीं। लोगों घबराकर घरों से बाहर निकले और आसमान में देखने लगे। हालांकि खबर लिखे जाने तक किसी के हताहत या किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान की जानकारी नहीं है।

पोकरण में सुने गए धमाके

पोकरण में धमाके सुने गए। सूत्रों के अनुसार बताया जा रहा है कि ये पाकिस्तान की ओर से किया गया ड्रोन हमला था, जिसे इंडियन एयर डिफेंस सिस्टम ने नाकाम कर दिया। रात 9 बजे तक जैसलमेर बिल्कुल शांत था। शाम तक लोग चौराहों पर सामान्य दिनों की तरह आ-जा रहे थे। प्रशासन ने रात 9 से सुबह 4 तक ब्लैकआउट घोषित किया था। लोग सामान्य तौर पर अपने काम

कर रहे थे। रात 9 बजते ही ब्लैकआउट शुरू हो गया। अभी पांच मिनट ही बीते थे कि आसमान में धमाके होने लगे। पहले लोगों ने सोचा शायद मॉकड्रिल है।

पाकिस्तान से तनाव के बीच बड़ा फैसला, राजस्थान बॉर्डर के इन जिलों में ब्लैकआउट

लेकिन एक बार धमाके शुरू हुए तो युद्ध के मैदान सरीखे लगातार धमाकों की आवाजें पूरे जैसलमेर में गूंज उठी। लोगों के बीच अफरा-तरफी का महौल हो गया। घबराकर लोगों सबसे पहले अपने घरों की जो लाइटें जल रही थीं, उन्हें तुरंत बंद किया। घरों से बाहर निकल लोग आसमान में देखने लगे तो एक साथ कई जगह धमाकों से आसमान गूंज रहा था।

पहले सोचा मॉकड्रिल

भारत-पाक के बीच चल रहे तनाव के बीच पहले लोगों ने सोचा कि यह मॉकड्रिल का हिस्सा है। लेकिन बाद में पता चला कि यह मॉकड्रिल नहीं है।

राजस्थान सरकार का बड़ा फैसला

सभी चिकित्सा कर्मियों की छुट्टियां रद्द, 6 जिलों में स्कूल बंद

जयपुर। ऑपरेशन सिंदूर' के बाद देशभर में अलर्ट का माहौल है। भारत-पाक सीमा पर बढ़ते तनाव को देखते हुए राजस्थान सरकार ने बड़े स्तर पर एहतियाती कदम उठाए हैं। प्रदेश में चिकित्सा विभाग के सभी कर्मचारियों की छुट्टियां तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी गई हैं। इसके साथ ही सीमा से सटे 6 जिलों में स्कूलों और कॉलेजों को बंद कर दिया गया है।

अलर्ट मोड पर स्वास्थ्य विभाग

राजस्थान के निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रविप्रकाश शर्मा ने आदेश जारी करते हुए बताया कि आपदा प्रबंधन और संभावित आपातकालीन स्थिति को ध्यान में रखते हुए सभी चिकित्सकों, नर्सिंगकर्मियों और पैरामेडिकल स्टाफ की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। सभी कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे बिना सक्षम अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ सकते। अपना मोबाइल फोन हर समय ऑन रखें। तैनाती वाले अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र पर हर स्थिति के लिए तैयार रहें।

अस्पतालों की खिड़कियों पर काला पर्दा

बता दें, पाली जिले में विशेष एहतियात बरते जा रहे हैं। सभी सरकारी अस्पतालों की खिड़कियों

को काले रंग के कवर से ढका गया है, ताकि रात में रोशनी बाहर न जाए। बांगड़ अस्पताल सहित जिले के 24 सीएचसी, 70 पीएचसी और अन्य चिकित्सा इकाइयों में यह कदम लागू किया गया है। वहीं, रोटरी क्लब में 15 बेड का इमरजेंसी वार्ड तैयार किया गया है।

6 जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद

इससे पहले सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान सीमा से सटे 6 जिलों- जोधपुर, फलोदी, जैसलमेर, बाड़मेर, श्रीगंगानगर और बीकानेर में सरकारी और निजी स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों, मदरसों को बंद कर दिया गया है। जोधपुर जिले में कॉलेजों को भी बंद किया गया है और सभी परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। यह आदेश 8 मई से आगामी आदेश तक लागू रहेगा।

राज्य सरकार पूरी तरह सतर्क

गौरतलब है कि प्रदेश सरकार ने सभी जिला कलेक्टरों को आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी इंतजाम पूरे रखने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय की निगरानी में स्वास्थ्य, शिक्षा, आपूर्ति, पुलिस और प्रशासनिक विभागों को अलर्ट पर रखा गया है। वहीं, सीमावर्ती इलाकों में बिना अनुमति कोई भी गतिविधि नहीं करने के आदेश हैं।

भारत में सुरक्षा चाक-चौबंद-देश के हवाई अड्डों पर बढ़ी चौकसी, SLPC अनिवार्य

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (BCAS) ने देश भर के सभी एयरलाइनों और हवाई अड्डों को तत्काल प्रभाव से सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के सख्त निर्देश जारी किए हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, यह निर्णय हाल ही में सामने आई सुरक्षा चुनौतियों और संभावित खतरों को देखते हुए लिया गया है। उडड्यन मंत्रालय के हवाले से समाचार एजेंसी एएनआई ने एक्स के जरिए जानकारी दी कि जारी किए गए निर्देशों के तहत, देश के सभी हवाई अड्डों पर सभी यात्रियों की सेकेंडरी लैडर पॉइंट चेकिंग (स्ख्क्क्) अनिवार्य कर दी गई है। स्ख्क्क् एक अतिरिक्त सुरक्षा जांच है जो विमान में चढ़ने से ठीक पहले की जाती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी संदिग्ध वस्तु यात्री के साथ विमान में प्रवेश न कर सके। पहले यह प्रक्रिया कुछ विशिष्ट उड़ानों या यात्रियों के लिए ही लागू थी, लेकिन अब इसे सभी यात्रियों के लिए अनिवार्य कर दिया

गया है। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करते हुए, ख्क्र्स ने तत्काल प्रभाव से टर्मिनल बिल्डिंग में आगंतुकों के प्रवेश पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। अब केवल वैध टिकट वाले यात्रियों और ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारियों को ही टर्मिनल बिल्डिंग में प्रवेश की अनुमति होगी। यह कदम हवाई अड्डों पर अनावश्यक भीड़ को कम करने और सुरक्षा व्यवस्था को अधिक केंद्रित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। मंत्रालय के सूत्रों ने यह भी बताया है कि स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए, सभी हवाई अड्डों पर आवश्यकतानुसार एयर मार्शल की तैनाती की जाएगी। एयर मार्शल प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मी होते हैं जो नागरिक विमानों में सादे कपड़ों में सवार होते हैं और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने और उससे निपटने के लिए अधिकृत होते हैं। उनकी तैनाती का निर्णय खुफिया जानकारी और खतरे की आशंका के आधार पर किया जाएगा। BCAS द्वारा जारी किए गए इन कड़े सुरक्षा निर्देशों का उद्देश्य देश के हवाई अड्डों और विमानों की सुरक्षा को और अधिक सुनिश्चित करना है। य

हमारी कार्रवाई उकसावे वाली नहीं, पहलगाम आतंकी हमले का जवाब-विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने गुरुवार को दुनिया के सामने पाकिस्तान की सच्चाई उजागर की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री और पूर्व विदेश मंत्री ने खुले तौर पर यह स्वीकार किया है कि उनके आतंकवादी समूहों से संबंध रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद के गढ़ के रूप में पहचाना जाता है और यह साबित हो चुका है कि पाकिस्तान आतंकी समूहों का समर्थन करता है और उनके खिलाफ कभी कोई ठोस कार्रवाई नहीं करता।

विदेश सचिव ने पाकिस्तान के आरोपों पर कहा कि हमने कोई भी उकसावे की कार्रवाई नहीं की है। हमने जो कार्रवाई की है, वह पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले का जवाब थी और हमने सिर्फ आतंकी ठिकानों

को निशाना बनाया।

पाकिस्तान द्वारा पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की जांच करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समिति बनाने की मांग के जवाब में, विदेश सचिव ने कहा कि भारत ने पहले भी कई आतंकी हमलों के सबूत पाकिस्तान को दिए हैं, लेकिन उसने किसी भी हमले की जांच करने में कोई सहयोग नहीं किया।

उन्होंने उदाहरण के तौर पर पठानकोट हमले का उल्लेख किया, जहां भारत ने पाकिस्तान को जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में ठोस सबूत सौंपे थे, लेकिन पाकिस्तान ने हमेशा आतंकवादियों का बचाव किया।

पाकिस्तान ने आरोप लगाया कि भारत ने धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया, लेकिन विक्रम मिस्त्री ने इसे खारिज करते हुए कहा कि भारत ने केवल आतंकवादी ठिकानों को ही निशाना बनाया है। उन्होंने कहा कि बल्कि पाकिस्तान ने एलओसी पर गुरुद्वारों को निशाना बनाया है।

इसके साथ ही, मिस्त्री ने बताया कि जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में %द रेजिस्टेंस फ्रंट% (टीआरएफ) का नाम शामिल करने की बात आई तो केवल पाकिस्तान ने इसका विरोध किया और इसका नाम हटवाया। यह साफ संकेत है कि पाकिस्तान अब भी इन आतंकवादी समूहों का समर्थन कर रहा है और उन्हें शरण दे रहा है।

बता दें कि बुधवार की रात पाकिस्तान ने उत्तरी और पश्चिमी भारत के कई इलाकों पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला करने का प्रयास किया। इन हमलों का उद्देश्य भारत के शहरों को निशाना बनाना था, लेकिन भारत ने इन हमलों को नाकाम कर दिया।

भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध-मुख्यमंत्री

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार आमजन को संवेदनशील, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अधिकारी-कर्मचारी सरकार के शासन तंत्र की मुख्य धुरी हैं, जिनकी जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में अहम भूमिका होती है। ऐसे में कार्मिक पूरे समर्पण भाव एवं सत्यनिष्ठा से काम करते हुए राज्यहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें, ताकि अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को योजनाओं को पूरा लाभ मिल सके।

शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास पर कार्मिक विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टोलरेंस की नीति अपनाते हुए आमजन को गुड गवर्नेन्स देने का कार्य प्राथमिकता से कर रही है। उन्होंने निर्देश दिए कि विभागीय जांच के 16 सीसीए, 17 सीसीए सहित 17ए के लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण हो, जिससे राजकीय कार्यों में जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि जिन विभागों में लंबित प्रकरणों की संख्या अधिक है, उनके सचिव ऐसे प्रकरणों की स्वयं के स्तर पर प्रति सप्ताह समीक्षा करें। लंबित प्रकरणों का निस्तारण निर्धारित अवधि में पूरा हो।

कार्मिकों की दक्षता वृद्धि के लिए कराए प्रशिक्षण

मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्मचारियों का अनुशासन एवं सेवा-भाव राज्य सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में अधिकारी-कर्मचारियों को नियमित ऑनलाइन एवं ऑफलाइन प्रशिक्षण दिया जाए, जिससे उनकी क्षमता में संवर्धन और दक्षता में वृद्धि हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवश्यकतानुसार नियमों में संशोधन कर सुसंगत बनाया जाए।

शर्मा ने कहा कि काम में लापरवाही और अनुशासनात्मक कार्यवाही के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण किया जाए। लंबित प्रकरणों की अधिक संख्या वाले विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण इन प्रकरणों की समीक्षा करें तथा इनका समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभाग ऐसे प्रकरणों की रिपोर्ट नियमित भिजवाएं। साथ ही, मुख्य सचिव के स्तर पर ऐसे लंबित प्रकरणों के निस्तारण के लिए नियमित मॉनिटरिंग की जाए।

बैठक के दौरान कार्मिक विभाग के शासन सचिव ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभागों में लंबित जांचों के प्रकरणों की जानकारी दी। इस दौरान विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भारत ने पाकिस्तानी F-16 को मार गिराया, जम्मू, पंजाब, राजस्थान में हाई अलर्ट, एयर डिफेंस ने बचाई हजारों जानें

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और पंजाब के कई सीमावर्ती इलाकों को निशाना बनाकर किए गए पाकिस्तान के हवाई हमले को गुरुवार रात भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने

सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया।

ड्रोन और मिसाइलों से किए गए हमले की कोशिश के कारण जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान के कई इलाकों में ब्लैकआउट और सायरन बजने लगे। अधिकारियों ने लोगों से घर के अंदर रहने और सतर्क रहने का आग्रह किया, क्योंकि आपातकालीन प्रोटोकॉल सक्रिय थे।

हमलों के मद्देनजर भारत ने कथित तौर पर जवाबी कार्रवाई की है। सूत्रों के अनुसार, भारतीय वायु रक्षा ने जम्मू एयरपोर्ट के पास लॉन्च किए गए कई ड्रोन को बेअसर कर दिया, जिसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

इसके अलावा, मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, जम्मू के पास आठ मिसाइलों को रोका गया। सभी को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया गया। हमले के कारण रियासी जिले में वैष्णो देवी मंदिर में भी अस्थायी ब्लैकआउट हो गया, और श्रीनगर में भी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बिजली गुल होने की खबर है।

इस बीच, एनडीटीवी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि शाम को पाकिस्तानी वायु सेना के एक एफ-16 सुपरसोनिक लड़ाकू विमान को भारतीय सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल रक्षा प्रणाली ने मार गिराया। सूत्रों के अनुसार, एफ-16 ने सरगोधा एयरबेस से उड़ान भरी थी और उसके पास ही उसे मार गिराया गया।

पाकिस्तान द्वारा यह हमला उसके 15 भारतीय शहरों को निशाना बनाने के प्रयास को विफल करने के कुछ ही घंटों बाद हुआ।

सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी और वायु सेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने पुष्टि की कि अवंतीपोरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, बठिंडा, चंडीगढ़, नल, फलोदी, उत्तरलाई और भुज जैसे शहर और कस्बे लक्ष्य सूची में थे। हालांकि, भारत के एकीकृत काउंटर-यूएएस ग्रिड और मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम ने सभी खतरों को सफलतापूर्वक बेअसर कर दिया। विभिन्न स्थानों से बरामद मलबे ने पुष्टि की कि ड्रोन और मिसाइल पाकिस्तानी क्षेत्र से आई थीं।

10 से अधिक जिलों में झमाझम बारिश, जयपुर-टोंक में ओले, 12 मई तक अलर्ट

जयपुर। राजस्थान में गुरुवार को पूरे दिन आंधी-बारिश का दौर चला। जिलों में सुबह से ही मौसम में बदलाव देखने को मिला। दोपहर बाद जयपुर, अलवर, टोंक, अजमेर, भीलवाड़ा और दौसा सहित अन्य जिलों में बारिश हुई। जयपुर और टोंक में बारिश के साथ चने के आकार के ओले भी गिरे। अजमेर में 10, चित्तौडगढ़ में 6, डबोक में 19, माउंट आबू में 13 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। सीकर, कोटा, उदयपुर समेत कई शहरों में बादल छाए रहे। बारिश के बाद कई शहरों के तापमान में गिरावट आई है। मौसम केन्द्र के अनुसार गुरुवार को दौसा, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, टोंक, बूंदी, कोटा, बारां, झालावाड़, सीकर में रेड अलर्ट रहा। इसके अलावा झुंझुनूं, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, डूंगरपुर, सिरोही, उदयपुर, राजसमंद, पाली, भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ में हल्की बारिश का येलो अलर्ट रहा।

दो टूक- आतंकवाद के विरुद्ध प्रतिशोध और शौर्य का प्रतीक बना 'ऑपरेशन सिंदूर'

ऑपरेशन सिंदूर के जरिये भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि यह ऑपरेशन केवल उन आतंकी ढ़ांचों के विरुद्ध था, जो लगातार भारत में घुसपैठ, आत्मघाती हमले और हथियारों की तस्करी को बढ़ावा दे रहे थे। बहावलपुर जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ है, वहीं मुजफ्फराबाद और कोटली लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठनों के लिए लांच पैड के रूप में काम आते हैं। इन स्थानों पर हुए हमलों के माध्यम से भारत ने उन आतंकी गुटों की कमर तोड़ने की कोशिश की है, जो वर्षों से भारत को अस्थिर करने की कोशिश में लगे हुए थे।

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

- आतंक के गढ़ में भारत का निर्णायक प्रहार

भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब 15 दिन बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से देकर एक बार फिर यह जता दिया है कि अब वह न तो चुप रहेगा और न ही आतंकी हमलों को बर्दाश्त करेगा। इस हमले में भारत के 26 निर्दोष लोगों की जान गई थी और यह हमला स्पष्ट रूप से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों से ही संचालित किया गया था। इसके सटीक जवाब में भारत ने 7 मई सुबह डेढ़ बजे पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकियों के 9 ठिकानों को ध्वस्त करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया। भारत की यह एक सुनियोजित, सीमित और सटीक सैन्य कार्रवाई थी, जिसका उद्देश्य स्पष्ट था, आतंकवाद को उसी की जमीन पर कुचलना। इस ऑपरेशन को 'सिंदूर' नाम देना भारत की सांस्कृतिक और भावनात्मक सोच को दर्शाता है। 'सिंदूर' एक ओर जहां भारतीय संस्कृति में शक्ति, सौभाग्य और सम्मान का प्रतीक है, वहीं इस संदर्भ में यह उन शहीदों के बलिदान की लालिमा भी है, जिनकी शहादत का बदला लेने के लिए यह कार्रवाई की गई। ऑपरेशन सिंदूर के जरिये भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि यह ऑपरेशन केवल उन आतंकी ढ़ांचों के विरुद्ध था, जो लगातार भारत में घुसपैठ, आत्मघाती हमले और हथियारों की तस्करी को बढ़ावा दे रहे थे। बहावलपुर जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ है, वहीं मुजफ्फराबाद और कोटली लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठनों के लिए लांच पैड के रूप में काम आते हैं। इन स्थानों पर हुए हमलों के माध्यम से भारत ने उन आतंकी गुटों की कमर तोड़ने की कोशिश की है, जो वर्षों से भारत को अस्थिर करने की कोशिश में लगे हुए थे। इस ऑपरेशनके जरिये भारत ने अपने नागरिकों को यह भरोसा भी दिलाया है कि देश की सुरक्षा महज कागजों तक सीमित नहीं है बल्कि उसे धरातल पर भी लागू किया जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर यह विश्वास पैदा करता है कि अब भारत किसी भी आतंकी हरकत का जवाब उसी भाषा में देगा और अपने सैनिकों और नागरिकों की शहादत व्यर्थ नहीं जाने देगा। यह संदेश केवल पाकिस्तान के लिए ही नहीं बल्कि उन ताकतों के लिए भी है, जो सीमा पार से भारत के खिलाफ जंग छेड़े हुए हैं।

भारतीय वायुसेना ने इस ऑपरेशन के तहत अत्याधुनिक मिसाइलों का इस्तेमाल करते हुए बहावलपुर, मुजफ्फराबाद, कोटली, मुरीदके, बाघ और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की कुछ आतंक-प्रवण लोकेशनों पर हमलाकर पूरी दुनिया को यह दिखा दिया है कि आतंकवाद से निपटने के लिए उसे अब किसी की अनुमति की आवश्यकता नहीं है और वह अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव कदम उठाने को तैयार है। इस ऑपरेशन की योजना और क्रियान्वयन अत्यंत गोपनीय और तकनीकी रूप से उन्नत स्तर पर हुई। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने 22 अप्रैल के हमले के बाद जिस तेजी से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों की पहचान की और सेना के साथ समन्वय किया, वह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति की परिपक्वता का प्रमाण है। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान में स्पष्ट किया गया है कि इस कार्रवाई का उद्देश्य केवल आतंकवाद के अड्डों को निशाना बनाना था, न कि पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों या नागरिक आबादी को। इस ऑपरेशन के दौरान भारत ने कुल 24 मिसाइलें दागी, जिनमें से अधिकांश लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों के ठिकानों पर सटीकता से गिरी। बताया जा रहा है कि इन हमलों में कई आतंकियों के मारे जाने की खबर है, जिनमें लश्कर और जैश के कई शीर्ष कमांडर भी शामिल हैं, जो भारत में आतंकी हमलों की योजना बनाते रहे हैं। पाकिस्तान का स्थानीय मीडिया और प्रशासन पहले इस हमले को नकारते रहे, फिर अलग-अलग बयान देकर भ्रम फैलाने की कोशिश की। पाकिस्तानी सेना के आईएसपीआर प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने दावा किया कि भारत ने 6 अलग-अलग स्थानों पर मिसाइलें दागी, जिनमें 8 नागरिकों की मौत हुई। वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने जियो टीवी पर दावा किया कि भारत ने अपने ही हवाई क्षेत्र से हमला किया और मिसाइलें रिहायशी इलाकों पर गिरी। पाकिस्तान के दावे आपस में ही विरोधाभासी हैं, जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वे न तो इस हमले के लिए तैयार थे और न ही उनके पास इसकी ठोस जानकारी है। वहीं, भारत ने इस ऑपरेशन के तुरंत बाद अमेरिका को इस कार्रवाई की जानकारी दी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने अमेरिकी एनएसए और विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात कर उन्हें स्पष्ट रूप से बताया कि यह कार्रवाई पूरी तरह आतंकवाद के खिलाफ थी, न कि पाकिस्तान की संप्रभुता के विरुद्ध। भारतीय दूतावास ने अमेरिका में बयान जारी कर बताया कि भारत ने किसी भी पाकिस्तानी नागरिक, सैन्य या आर्थिक ठिकानों को निशाना नहीं बनाया, केवल उन्हीं आतंकी शिविरों पर हमला किया गया, जो भारत के खिलाफ साजिश रच रहे थे। इस ऑपरेशन के पूरे समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसकी निगरानी कर रहे थे। उन्होंने सेना को पूर्ण स्वतंत्रता दी थी और इस ऑपरेशन की बारीकियों पर लगातार नजर बनाए रखी। ऑपरेशन पूरा होने के बाद भारतीय सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर 'जस्टिस इज सर्व्ड' यानी 'न्याय हो गया' लिखा जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'भारत माता की जय' के नारे के साथ इस कार्रवाई को राष्ट्र के प्रति समर्पित किया। इस ऑपरेशन के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव और बढ़ना स्वाभाविक था। पाकिस्तान की ओर से फायरिंग और जवाबी बयानबाजी जारी रही। पाकिस्तान के मीडिया ने प्रोपेगेंडा फैलाने के लिए यह दावा किया कि पाकिस्तान ने भारत के 6 फाइटर जेट मार गिराए हैं, जिसमें 3 राफेल, 2 मिग-29 और 1 सुखोई शामिल हैं, साथ ही भारतीय सेना की 12वीं इन्फैंट्री ब्रिगेड के मुख्यालय को नष्ट करने का झूठा दावा भी किया गया। हालांकि भारत द्वारा इन बेबुनियाद झूठे दावों को सिरे से खारिज कर दिया गया है।

भारत का अगला कदम अब इस कार्रवाई को कूटनीतिक और रणनीतिक स्तर पर वैश्विक समर्थन में बदलना होगा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत आतंकवाद के खिलाफ अपने दृष्टिकोण को और मजबूत तरीके से प्रस्तुत करेगा। अमेरिका, फ्रांस, रूस और इजरायल जैसे देश पहले ही भारत के साथ खड़े नजर आ रहे हैं परंतु संयुक्त राष्ट्र और इस्लामी देशों के संगठन (आईओसी) में पाकिस्तान अपने झूठे प्रचार को हवा देने की कोशिश अवश्य करेगा, इसलिए भारत को अब इस कूटनीतिक लड़ाई में भी स्पष्टता और तथ्यों के साथ आगे बढ़ना होगा। बहरहाल, ऑपरेशन सिंदूर भारत की सैन्य और कूटनीतिक परिपक्वता का प्रतीक है। इसने साबित कर दिखाया है कि भारत अब संयम और जवाबदेही के साथ अपनी रक्षा नीति पर अमल कर रहा है। 'सिंदूर' का रंग भले ही सांस्कृतिक दृष्टि से सौभाग्य और शक्ति का प्रतीक हो परंतु इस सैन्य कार्रवाई में यह रंग आतंकवाद के विरुद्ध प्रतिशोध और शौर्य का प्रतीक बन गया है। भारत ने दुनिया को यह बता दिया है कि वह न तो युद्ध चाहता है, न टकराव लेकिन यदि उसकी सीमाओं, नागरिकों और संप्रभुता को कोई चुनौती देगा तो उसका जवाब भी उतना ही सटीक, तीव्र और निर्णायक होगा। भारत का यह बदलता हुआ रवैया उसकी सुरक्षा नीति को नई दिशा दे रहा है और यह संकेत है कि आने वाले समय में कोई भी आतंकी घटना भारत को मूकदर्शक नहीं बनाएगी बल्कि तत्काल और निर्णायक प्रतिघात से दुश्मन की कमर तोड़ी जाएगी।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

जोश और संयम

आखिरकार पहलगाम हमले के 15 दिन बाद भारत ने पाक अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर हमला करके न केवल आतंकवादियों की कमर तोड़ी है बल्कि बड़बोले पाकिस्तान के दंभ को भी तोड़ा है। बेहद सुनियोजित व सटीक तथा नियंत्रित कार्रवाई से भारत ने दुनिया को संदेश दिया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति जीरो टॉलरेंस की है। साथ ही सैन्य ठिकानों व नागरिक संस्थानों को निशाना न बनाकर मानवता का संदेश ही दिया है। बताया कि हमें आत्मरक्षा का अधिकार है। साथ ही दुनिया को यह भी बताया कि विश्व बंधुत्व हमारा सांस्कृतिक संकल्प है। लेकिन यदि हमारी बेटियों के सिंदूर छीने जाएंगे तो हम अंतर्राष्ट्रीय सीमाएं लांघकर भी आतंकियों के ठिकानों को नेस्तनाबूद करने से नहीं हिचकेंगे। यह भी कि मानवता के संरक्षण के संकल्प के साथ कि हम कभी नागरिक को निशाना नहीं बनाएंगे। गीता के उस संदेश का अनुपालन कि हम युद्ध के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन जब युद्ध अपरिहार्य हो, तो फिर युद्ध लड़ना धर्म बन जाता है। पिछले दिनों देश में शीर्ष सैन्य नेतृत्व की सक्रियता और प्रधानमंत्री व रक्षा मंत्री के बयान इस सधी हुई कार्रवाई के संकेत दे रहे थे। इस कार्रवाई को आतंकवाद के खिलाफ मानवता के सुरक्षा कवच के रूप में देखा जाना चाहिए। हमने बालाकोट सर्जिकल स्ट्राइक के बाद इस कार्रवाई को तब अंजाम दिया जब पानी सिर से ऊपर गुजरने लगा। ऑपरेशन सिंदूर ने उन्हें भी जवाब दे दिया है जो भारतीय अस्मिता की रक्षा के लिये किए जा रहे सैन्य व कूटनीतिक उपक्रमों को लेकर सतही बयानबाजी कर रहे थे। उन्हें इस बार बालाकोट के यथार्थ की तरह सवाल उठाने का मौका नहीं मिलेगा। इस बार के हमले के तमाम फोटो-वीडियो अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में तैर रहे हैं। बिहार की जनसभा में प्रधानमंत्री ने चेताया भी था कि आतंकवादियों को ऐसा सबक सिखाया जाएगा कि फिर वे ऐसा दुस्साहस न कर सकें। साथ ही गृहमंत्री ने कहा था कि जैसे जनता चाहती है, वैसा ही होगा। सचमुच वैसा ही हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की सीमित युद्ध की रणनीति व अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति सटीक रही। निस्संदेह, आतंकवाद के खिलाफ किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' पर संयुक्त राष्ट्र सहित विश्वभर के तमाम अमन पसंद देशों की मोहर लगनी ही चाहिए। कौन नहीं जानता कि अमेरिका, इस्राइल समेत तमाम अनेक यूरोपीय देश अपने विरुद्ध किसी भी आतंकवादी हमले के सूत्रधारों को कुचलने में कभी विलंब नहीं करते। आज इस कार्रवाई के बाद अमेरिका व चीन समेत तमाम विश्व शक्तियों को भारत-पाक को एक तराजू में रखकर नसीहतें देने की बजाय ईमानदारी से शांति व मानवता के पाले में खड़ा होना होगा। साथ ही भारतीय नागरिक के रूप में एक बड़ी सोच के साथ हमें इस सर्जिकल स्ट्राइक पर युद्ध उन्माद का जश्न मनाने के बजाय संयम से आतंक के दमन के रूप मे देखना चाहिए। वहीं दूसरी ओर सर्जिकल स्ट्राइक ने देश के आहत मर्म पर सांस्कृतिक और भावनात्मक मरहम भी लगाया है। यह बताया गया है कि विवाहिताओं द्वारा लगाए जाने वाला सिंदूर महज दिखावटी रस्म नहीं है। यह प्यार और रिश्तों में निरंतरता का पर्याय भी है। जब आतंकवादियों ने पहलगाम में 26 पुरुषों की हत्या करके उनकी जीवन संगिनियों का सिंदूर पोंछा था, तो उस सिंदूर के मिटने के दर्द को पूरे देश ने गंभीरता से लिया। खासकर उस विवाहिता का दर्द जिसके हाथ की मेहंदी फीकी भी नहीं पड़ी थी। उसके दुःख को पूरे देश ने महसूस किया और आतंक की धरा को नेस्तनाबूद करने के लिये ही 'सिंदूर ऑपरेशन' को अंजाम दिया गया।

मसलों पर समय सीमा तय करने पर विवाद क्यों ?

(लेखक - चैतन्य भट्ट)

उच्चतम न्यायालय ने राज्यपालों और राष्ट्रपति के स्तर पर विधेयक स्वीकृत करने संबंधी समय सीमा निर्धारित क्या की, समूचे राजनीतिक जगत में जैसे भूचाल आ गया। नेताओं द्वारा इसे विधायिका की कार्यवाही में सीधा हस्तक्षेप मानते हुए इस कार्यवाही को न्यायपालिका द्वारा अपनी सीमा लांघने जैसे बयान दिए जाने लगे। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बयान दे डाला कि संविधान की मूल भावना के 'अंतिम स्वामी' चुने हुए जनप्रतिनिधि होते हैं और संसद से ऊपर कोई भी नहीं है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे तो इतने आगे चले गए कि, यदि सुप्रीम कोर्ट को ही कानून बनाना है तो संसद और विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए, और भारत में गृह युद्ध के लिए सीजेआई खन्ना जिम्मेदार हैं धनखड़ के बयान पर सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और वरिष्ठ कानूनविद कपिल सिब्बल मैदान में आए। उन्होंने कहा कि न तो संसद और कार्यपालिका नहीं संविधान सर्वोच्च है जिसके प्रावधानों की व्याख्या सुप्रीम कोर्ट द्वारा की जाती है। इस देश ने अब तक कानून को इसी तरह समझा है। सिब्बल ने उपराष्ट्रपति का नाम तो नहीं लिय मगर कहा कि शीर्ष अदालत के हालिया फैसले, जिनकी कुछ भाजपा नेताओं और उपराष्ट्रपति ने आलोचना की है, हमारे संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप और राष्ट्रीय हित से प्रेरित हैं। संसद को कानून बनाने का पूर्ण अधिकार है मगर संविधान की व्याख्या करना और पूर्ण न्याय करना न्यायालय का दायित्व है। जहां तक निशिकांत दुबे का प्रश्न है भाजपा ने उनके बयानों से खुद को अलग कर लिया है

लोकतंत्र के महत्वपूर्ण स्तंभ न्यायपालिका और विधायिका के बीच ऐसी परिस्थितियां निस्संदेह दुर्भाग्यपूर्ण हैं। मगर यह भी तय है कि किसी भी समृद्ध लोकतंत्र में जनहित से जुड़े कार्यों को लेकर समय-सीमा निर्धारित होनी चाहिए। तमिलनाडु के राज्यपाल के रवि के मामले को देखें तो तमिलनाडु राज्य सरकार द्वारा पारित अनेक विधेयक तो तीन साल से ज्यादा की अवधि के बाद भी उनके कार्यालय में लंबित थे। और यह अकेला मामला नहीं है। विरोधी पक्ष की सरकारें वाले देश के कितने ही राज्यों में स्थितियां कमोबेश यही हैं। संवैधानिक रूप से राज्यपाल पद बेहद मर्यादित है और उस पर बिना किसी राजनैतिक दल या विचारधारा के प्रति पूर्वाग्रह के विशुद्ध रूप से राज्य सरकार की प्रशासनिक मदद का दायित्व है। टकराव की यह परिस्थितियां और राज्यपाल पद का राजनीतिक दुरुपयोग पहले भी होता रहा है और पूर्ववर्ती केंद्र सरकारों ने तो चुनी हुई राज्य सरकार गिराने तक में इसका प्रयोग किया है। जहां तक विधायिका का प्रश्न है, संसद की कार्यवाही कमोबेश हर सत्र में हंगामे और बहिष्कार का शिकार होती दिखती है। स्वस्थ बहस के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण यह संस्था अब सरकार और विरोध पक्ष के संघर्ष के लिए ज्यादा पहचानी जाती है। जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक सालों से लंबित पड़े हैं। सदस्यों के लंबित प्राईवेट विधेयकों की संख्या तो सैकड़ों पार कर रही है। यही हाल विधानसभाओं का है। महत्वपूर्ण विधेयक लंबित रहते हैं और जो स्वीकृत हो जाते हैं वे राजनीतिक रस्साकसी का शिकार होकर वर्षों राज्यपाल के स्तर पर धूल फांकते रहते हैं। विधानसभा सत्र के दौरान उठाए गए प्रश्न या समस्या पर मंत्री की घोषणा आश्वासन बन जाती है। सत्र में पूछे गए प्रश्न के उत्तर के आधार पर भी आश्वासन बन जाते हैं। ऐसा आश्वासन निभाना संवैधानिक बाध्यता न सही नैतिक आवश्यकता तो है।

यह चुनाव मंच पर किया गया वादा नहीं अपितु सदन जैसे संवैधानिक मंदिर में दिया गया भरोसा है। मगर इसके प्रति आवश्यक गंभीरता का सर्वथा अभाव है। मध्यप्रदेश विधानसभा के परिप्रेक्ष्य में ही ऐसे ढाई हजार के लगभग लंबित आश्वासन बताते हैं कि विधानसभा में किसी जनोपयोगी आवाज उठ भी जाए तो उसकी सुनवाई जरूरी नहीं है। क्या ऐसे आश्वासनों की पूर्ति के लिए समय-सीमा निर्धारित किया जाना आवश्यक नहीं है ?

यह लेट लतीफी सिर्फ संसद और विधानसभाओं की कार्यवाही तक ही सीमित नहीं है। निर्वाचित सरकारें जन सामान्य के हितों और शिकायतों से संबंधित कार्यों के समय-सीमा निर्धारित कर ही अपना दायित्व पूरा समझ लेती हैं। प्रदेश को ही लें, आम जनता की शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए बनाई गई सीएम हेल्पलाइन में पिछले अक्टूबर की स्थिति में 7 लाख से अधिक शिकायतें पेंडिंग थीं, जिनमें से 3 लाख से अधिक 100 दिनों की समय सीमा पार कर चुकी थीं। इनमें पीएम आवास योजना (ग्रामीण) में राशि न मिलने, पीएम मातृ वंदन योजना, श्रमिक प्रसूति सहायता और जननी सुरक्षा, पुलिस विवेचना में लापरवाही और कोर्ट में केस पेंडेंसी और संबल योजना का लाभ न मिलने जैसी महत्वपूर्ण सुविधाओं से संबंधित शिकायतें शामिल थीं। तथाकथित निराकृत प्रकरणों में भी शिकायतें येन-केन प्रकारेण निपटाए जाने जैसे मामले ही ज्यादा थे।

सरकारों को समझना चाहिए कि उनका दायित्व सिर्फ जनोपयोगी योजनाएं बनाने तक ही सीमित नहीं है। अफसरशाही इन लाभों को जन-सामान्य तक पहुंचाने का जरिया है और अगर यह व्यवस्था ठीक काम नहीं करती और लाभ निर्दिष्ट व्यक्ति तक नहीं पहुंचता है तो सारा का सारा तामझाम व्यर्थ है। हर कार्य के लिए न सिर्फ समय-सीमा निर्धारित होना चाहिए बल्कि उसका पालन हो रहा है या नहीं इसके लिए भी एक पारदर्शी व्यवस्था निर्धारित होना चाहिए। यह समझ जितनी जल्दी आ जाए उतना ही अच्छा होगा। और अगर विधायिका ऐसा नहीं कर पाती है और न्यायालय हस्तक्षेप करता है तो फिर इसे सीमा का उल्लंघन कहना कदापि उचित नहीं होंगा।दूसरी तरफ न्यायालयों को भी इस बात पर विचार करना होगा कि अदालतों में लंबित मामलों की भी एक सीमा तय की जाय देखना होगा किस मसले पर विवाद कैसे हल हो सकेगा ।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

(चिंतन-मनन)

दौलत की चाह

चिंतन मनन

संत जुनैद की एक झलक पाने और उनसे ज्ञान की बातें सुनने के लिए लोग बेकरार रहते थे। पर जुनैद दुनियावी चीजों से तटस्थ और निर्लिप्त रहते थे। वह खाने-पीने और अपने कपड़े से भी बेपरवाह रहते थे। वह हर समय घूमते रहते थे। जहां भी रात होती वह वहीं टिक जाते। एक बार वह एक बड़े शहर के बाहर रुके तो शहर के जाने-माने एक सेठ उनके दर्शन के लिए आ पहुंचे। वह अपने साथ ढेर सारी स्वर्ण मुद्राएं लेकर आए थे।

उन्होंने उसकी थैली जुनैद के चरणों में रख दी और हाथ जोड़कर खड़े हो गए। जुनैद ने थैली पर नजर डाली, फिर मुस्कराते हुए पूछा-क्या इसके अलावा भी आपके पास और दौलत है? सेठ जी ने प्रसन्न होकर सोचा कि जुनैद को और भी धन चाहिए। सेठ ने कहा-मेरे पास तो इससे कई गुना धन-संपत्ति और है। सेठ ने पूछा-क्या आप और दौलत पाने की ख्वाहिश रखते हैं? सेठ ने कहा- हां, हां क्यों नहीं, अब इतने से क्या होता है। थोड़ी और दौलत मिल जाए तो जिंदगी बेहतर हो जाएगी।

जुनैद ने कहा- तब तो ये दौलत भी आप ही रख लीजिए। इसकी असल जरूरत तो आपको ही है। आपको और धन-संपत्ति चाहिए। इतना आप मुझे ही दे देंगे तो आपका खजाना थोड़ा खाली हो जाएगा। जिसके पास सब कुछ हो लेकिन और पाने की चाह हो, उसके दान का भी कोई अर्थ नहीं है। यह सुनकर सेठ जी लज्जित हो गए। उन्होंने जुनैद से वादा किया कि वह अब और दौलत के पीछे नहीं भागेंगे

विचार मंथन

भारत की मिसाइलों का सटीक निशाना, चीन के सुरक्षा तंत्र की खुली पोल

(लेखक - सनत जैन)

भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों पर भारतीय सीमा में रहते हुए जो मिसाइल स्ट्राइक की है उसने पाकिस्तान में तैनात एचक्यू-9 मिसाइल की विफलता को उजागर कर दिया है। चीन और पाक द्वारा जो दावे किए जा रहे थे उसकी पोल खुल गई है। भारत ने हाल ही में सिंदूर ऑपरेशन के जरिए आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइल अटैक कर पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादियों को करारा जबाब दिया है। यह हमला मंगलवार की देर रात करीब 1:45 बजे किया गया था। मात्र 7 मिनट के इस हमले में ब्राह्मोस सहित अत्याधुनिक मिसाइलों और हथगोलों का इस्तेमाल भारतीय सेना द्वारा किया गया। भारत ने इस हमले में सुनिश्चित किया था। पाकिस्तान का कोई भी नागरिक ठिकाना या बुनियादी ढांचा क्षतिग्रस्त ना हो। भारत की सैन्य नैतिकता और सामरिक सूझ-बूझ का परिचय मिलता है। पाकिस्तान और चीन की तरफ से बार-बार दावा किया जाता रहा है। एचक्यू-9 एयर डिफेंस सिस्टम दुनिया के बेहतरीन सुरक्षा कवचों में एक है। यह सिस्टम अभी तक कहीं उपयोग नहीं हुआ था। चीन का दावा था, उसका यह सिस्टम अमेरिका के पेट्रियट, इजराइल के आयरन डोम और रूस के एस-400 से बेहतर है। भारतीय सेना की मिसाइलों ने चीन की इस तथाकथित अभेद्य रक्षा प्रणाली को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया, जिसके कारण चीन की पोल खुल गई है। पाकिस्तान भी हैरान और परेशान है, चीन से उसने सबसे ज्यादा रक्षा सामग्री एवं सैन्य उपकरण खरीदे हैं। भारत की सेना द्वारा जिस तरह की रक्षा प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है उसको देखते हुए पाकिस्तान अब यह नहीं समझ पा रहा है, कि वह भारत का मुकाबला किस तरह से करेगा। चीन द्वारा पाकिस्तान को सौंपा गया यह सिस्टम एक भी भारतीय मिसाइल को इंटरसेप्ट नहीं कर पाया। पाकिस्तान की सेना और वायुसेना पूरी तरह अलर्ट मोड पर थीं। इस असफलता ने चीन की रक्षा तकनीक और उपायों की वास्तविकता उजागर कर दी है। भारत ने बिना हवाई हमले और बमवर्षक विमानों का प्रयोग किये बिना ही यह दिखा दिया है। आधुनिक युद्ध केवल सैनिकों की संख्या से नहीं, बल्कि रणनीति, तकनीक और संयम से जीते जा सकते हैं। भारतीय सेना ने इस अभियान में न केवल तीनों सेनाओं की एकजुटता, भारतीय सेना का सैन्य कौशल दिखाया, वरन यह भी साबित कर दिया, कि भारत अब केवल जुबानी प्रतिक्रिया देने वाला देश नहीं रहा। आवश्यकता पड़ने पर भारत निर्णायक कार्रवाई करने वाला राष्ट्र बन चुका है। जो दुश्मन के घर जाकर सटीक निशाना साधकर अपने दुश्मनों से बदला ले सकता है। इस घटनाक्रम से सैन्य विश्वसनीयता और क्षमता को लेकर विश्व में भारत की स्थिति मजबूत हुई है। अमेरिका, यूएई और सऊदी अरब जैसे देशों को भारत द्वारा पहले से सूचित किया जा चुका था। यह भारत की वैश्विक कूटनीति की समझ और पारदर्शिता को प्रदर्शित करता है। भारत के ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान के भीतर हड़कंप मचा हुआ है। पाकिस्तान द्वारा पिछले दो सप्ताह से इतनी बडी तैयारी के बावजूद चीन और पाकिस्तान मिलकर भी हमले को क्यों नहीं रोक पाए। भारतीय सेना का यह हमला केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं है। भारत का यह संदेश भी है, भारत की संप्रभुता से खिलवाड़ करने वालों को भारतीय सेना से हर स्तर पर जवाब मिलेगा। भारत तकनीकी, सैन्य और कूटनीतिक स्थिति की समझ रखती है। भारत की सेना के तीनों अंगों की एक जुटता, भारतीय सेना का साहस, भारतीय सेना का प्रशिक्षण और अत्याधुनिक सैन्य उपकरण, अत्याधुनिक संचार प्रणाली का कोई मुकाबला नहीं है। भारतीय सेना ने जो पराक्रम ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से किया है वह दुनिया भर के आतंकवादियों के लिए भी एक संदेश है। मसूद अजहर जैसे खूंखार आतंकवादियों के लिए एक सबक है। भारतीय सेना ने मात्र 7 मिनट के अंदर अपनी सीमा के अंदर ही रहते हुए उसके पूरे परिवार को निशाना साधकर पाकिस्तान में ही समाप्त कर दिया। इससे भारत के पड़ोसी देशों में भी हड़कंप की स्थिति है। भारतीय सेना के पराक्रम की चर्चा दुनिया के सभी देशों में हो रही है। भारत की सेना दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सेनाओं में से एक है। यह साबित हो गया है। मात्र कुछ मिनट का ऑपरेशन कर दुश्मनों को सबक सिखाने की यह अनूठी घटना है। भारतीय सेना ने किसी भी पाकिस्तानी नागरिक को नुकसान नहीं होने दिया।

पाकिस्तान पर एक और हो सकता है बड़ा हमला, अमेरिका में हो रही बड़े पैमाने पर तैयारी!

नई दिल्ली।

आतंकियों के खिलाफ भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर से तड़प रहे पाकिस्तान का दर्द कम होता इससे पहले एक और हमले की तैयारी शुरु हो गई है। ये तैयारी भारत में नहीं बल्कि अमेरिका में हो रही है। ये सही में ऐसा हुआ तो मानकर चलिए कि पाकिस्तान के हालात अनियंत्रित हो जाएंगे और वहां की कोई भी हुकूमत के सामने कोई विकल्प नहीं बचेगा। दरअसल इस अटैक की तैयारी भारतीय सेना नहीं बल्कि अमेरिका में बैठी दुनिया की एक सबसे ताकतवर संस्था आईएमएफ कर रही है।रिपोर्ट के मुताबिक आईएमएफ की शुक्रवार को एक अहम बैठक होने वाली है। इसमें पाकिस्तान को 1.3 अरब डॉलर के लोन पर विचार किया जाएगा। आईएमएफ ने पाकिस्तान को यह लोन रेसिलिएंस एंड सस्टेनेबिलिटी फैसिलिटी के तहत मंजूर किया था। पाकिस्तान को दिया जाने वाला यह पांचवां लोन होगा। इससे पहले मार्च महीने में आईएमएफ की तरफ से पाकिस्तान को जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए 1.3 अरब डॉलर और सात अरब डॉलर का लोन मंजूर हुआ था। इस सात अरब डॉलर के लोन में उसे हर माह एक अरब डॉलर की राशि दी जाती है। लेकिन, पिछले माह भारत के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले और उसमें पाकिस्तानी आतंकवादियों के हाथ होने के सबूत सामने आने के बाद इस लोन पर रोक लगाने की मांग उठने लगी है।एक अमेरिकी पब्लिक पॉलिसी थिंक टैंक द अमेरिकन इंटरप्राइजेज इंस्टीट्यूट के सीनियर फेलो माइकल रुबिन ने एक लेख में लिखा है कि पहलगाम की घटना के बाद अमेरिका, अंतरराष्ट्रीय समुदाय और आईएमएफ को पाकिस्तान के लिए और फंडिंग रोक देनी चाहिए। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के मुताबिक पाकिस्तान दुनिया के सबसे भ्रष्ट देशों में से एक है। 2018 से इसकी रैंकिंग लगातार गिर रही है। रुबिन ने अपने लेख में पाकिस्तान की तुलना एक शराबी से की है। उन्होंने लिखा है कि अगर कोई शराबी दान के पैसे से शराब खरीदता है तो उसको आर्थिक सहायता बढ़ाना नहीं बल्कि रोक देना चाहिए। उन्होंने लिखा है कि पाकिस्तानी अधिकारी अंतरराष्ट्रीय मदद को अपना अधिकार समझते हैं। वे इन पैसों में भ्रष्टाचार करते हैं। रुबिन लिखते हैं कि पाकिस्तान आतंकवादी ढांचे पर अरबों डॉलर की राशि खर्च करता है। 2008 में पाकिस्तानी आतंकवादियों में मुंबई में कई जगहों पर हमला किया था। लेकिन, पाकिस्तान ने इस हमले के दोषियों के खिलाफ कोई

कार्रवाई नहीं की। आज भी वह इन आतंकवादियों को संरक्षण दे रहा है। उसने अलकायदा जैसे खतरनाक आतंकवादी संगठन के प्रमुख ओसामा बिन लादेन को छिपा रखा था। उसे पाकिस्तान के एटबाबाद में अमेरिका में मार गिराया था। उन्होंने इस लेख में लिखा है कि पाकिस्तान आतंकवाद को लंबे समय से पालने का काम करता रहा है।

पाक का झूठ फिर उजागर, आतंकियों की कब्र पर सेना के साथ दिखा लश्कर का कमांडर

नई दिल्ली।

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने जो ऑपरेशन सिंदूर चलाया, उसने पाकिस्तान के उन दावों की पोल खोल दी कि वह आतंकवाद को पनाह नहीं देता है। फिर साबित हो गया है कि पाकिस्तान आतंक का पनाहगाह है और उसकी फौज खुद आतंकियों की ढाल बनी है। भारत की हालिया एयर स्ट्राइक में पाकिस्तान और पीओके में कुल 9 ठिकानों को तबाह कर दिया था, जिसमें 90 से ज्यादा आतंकी मारे गए। पाकिस्तानी चैनलों के दिखाए जा रहे फुटेज में आतंकियों की कब्र पर लश्कर के टॉप कमांडर को फातिहा पढ़ते दिखाया गया है। उसके पीछे पाकिस्तानी सेना हाथ बांधे खड़ी है। भारत की एयर स्ट्राइक में 90 से ज्यादा आतंकी मारे जाने की खबर है। हालांकि पाकिस्तान ने अभी तक भारत के इन दावों को स्वीकार नहीं किया। उसका कहना है कि भारतीय हमले में 31 आम नागरिक मारे गए हैं। सबसे बड़ा झटका जैश सरगना मसूद अजहर को लगा, जिसने खुद कबूला कि हमलों में उसके 10 परिवारजनों और चार प्रमुख साथियों की मौत हुई है। सबसे चौंकाने वाला दृश्य तब सामने आया जब मुरिदके में मारे गए आतंकियों के लिए रखे गए शोक कार्यक्रम में लश्कर का टॉप कमांडर हाफिज अब्दुल रऊफ पाकिस्तानी फौजियों के साथ बैठा नजर आया। अमेरिका ने 2010 में रऊफ को स्पेशली डेजिग्नेटेड ग्लोबल टेररिस्ट घोषित किया था। वह पाकिस्तान में खुलेआम घूमता है, सार्वजनिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेता है और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ी संस्थाओं का प्रतिनिधित्व करता है। रऊफ 2008 में लश्कर सरगना हाफिज सईद के निर्देश पर संगठन की गतिविधियों की निगरानी के लिए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भी कर चुका है। 2003 में उसे लश्कर का डायरेक्टर ऑफ पब्लिक सर्विस भी नियुक्त किया गया था और वह आतंकी संगठन का प्रवक्ता भी रहा है।

ईडी ने झारखंड और बंगाल में नौ ठिकानों पर मारे छापे

फर्जी जीएसटी से 800 करोड़ के इनपुट टैक्स क्रेडिट लाभ लेने का मामला

रांची।

करीब 800 करोड़ के जीएसटी घोटाले में ईडी ने गुरुवार सुबह झारखंड और बंगाल में नौ ठिकानों पर छापे मारे। झारखंड में रांची के तीन और जमशेदपुर में एक स्थान पर दबिश दी जिन ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की है, वहां सुरक्षा के मद्देनजर सीआरपीएफ के जवानों को तैनात किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि दोनों राज्यों के कारोबारियों ने कुल 14,325 करोड़ रुपए के फर्जी जीएसटी इनवॉइस बनाकर 800 करोड़ रुपए से ज्यादा के इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ लिया था, जिन कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है, उनमें शिवकुमार देवरा, सुमित गुप्ता, अमित गुप्ता अन्य भी शामिल हैं। ईडी ने बंगाल में इस घोटाले में पहले भी छापेमारी की थी, जबकि झारखंड में इसे लेकर पहली बार कार्रवाई की जा रही है।

आरोप है कि कारोबारियों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर व्यापारिक प्रतिष्ठान बनाए और इनपुट टैक्स क्रेडिट का अनुचित लाभ लिया। बाद में इन फर्जी प्रतिष्ठानों को बंद कर दिया। बता दें इस साल जनवरी में जीएसटी निदेशालय की अन्वेषण टीम ने 100 करोड़ से ज्यादा के जीएसटी घोटाले में रामगढ़ के सारूबडेड़ा और धनबाद के झरिया में छापेमारी की थी। इसी तरह जमशेदपुर और आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में भी आठ ठिकानों पर जीएसटी की टीम ने छापेमारी कर 150 करोड़ रुपए के फर्जीवाड़े का पर्दाफाश किया था। फर्जी जीएसटी इनवॉइस जारी कर घोटाले के इस मामले में जमशेदपुर के जुगसलाई स्थित खाटू श्याम स्टील, जैसुका आयरन एंड पावर, बाबा श्याम स्टील, श्री स्टील, विवान इंटरप्राइजेज, एनएच-33 स्थित रिवाह रिसॉर्ट और आदित्यपुर स्थित मातेश्वरी इंजीनियरिंग सहित कई अन्य कंपनियां ईडी जांच के रडार पर हैं। फिलहाल इस मामले में जांच एजेंसी की ओर से आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी साझा नहीं की गई है।

सोफिया कुरैशी के पिता ने दो टूक कहा, पाकिस्तान को नष्ट कर देना चाहिए

नई दिल्ली।

भारतीय सशस्त्र बलों की दो वरिष्ठ महिला अधिकारियों विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी ने संयुक्त रूप से ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी। भारतीय सेना के सिग्नल कोर की सम्मानित अधिकारी कर्नल कुरैशी को बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास में सेना की टुकड़ी की कमान संभालने वाली पहली महिला अधिकारी होने का गौरव मिला है। बता दें कि कर्नल कुरैशी अपने परिवार की चौथी पीढ़ी हैं, जो देश की रक्षा में आगे आई हैं। कर्नल कुरैशी के पिता ने बांग्लादेश का युद्ध लड़ा था। पूरे परिवार को कर्नल सोफिया कुरैशी पर गर्व हैं। उनके पिता ताज मोहम्मद कुरैशी ने बताया कि हमें अपनी बेटी बहुत गर्व है। हमारी बेटी ने हमारे देश के लिए बहुत बड़ा काम किया है। ताज मोहम्मद ने दो टूक कहा कि पाकिस्तान को नष्ट कर देना चाहिए। मेरे दादा, मेरे पिता और मैं सभी सेना में थे।

अब वह भी सेना में है। उन्होंने कहा कि हम पहले भारतीय हैं और फिर हिन्दू या मुसलमान। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस दुनिया के अंदर रहने लायक देश नहीं है। सोफिया की मां हलीमा कुरैशी ने कहा कि हमारी सेना ने अपनी बहनों और माताओं के सिंदूर का बदला ले लिया है। सोफिया अपने पिता और दादा के नक्शेकदम पर चलना चाहती थी, जो सेना में थे।

वह बचपन में कहा करती थी कि जब वह बड़ी होगी, तब सेना में शामिल होगी। उनके भाई मोहम्मद संजय कुरैशी कहते हैं, वह मेरी आदर्श हैं... हम लंबे समय से बदला लेने का इंतजार कर रहे थे। लेकिन हमने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा बदला लिया जाएगा या प्रेस कॉन्फ्रेंस का संचालन परिवार का कोई सदस्य करेगा। हमें सुखद आश्चर्य हुआ कि हमारे परिवार को इतना बड़ा अवसर मिला।

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव, अचानक दिल्ली पहुंचे सऊदी अरब के मंत्री

विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की

नई दिल्ली।

सऊदी अरब के विदेश राज्य मंत्री आदिल अल-जुबैर पूर्व घोषित यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे और भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव की पृष्ठभूमि में गुरुवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। सऊदी अरब के जलवायु दूत भारतीय मंत्री के बीच बैठक के बारे में एकमात्र जानकारी जयशंकर ने पोस्ट के माध्यम से दी। उन्होंने कहा कि गुरुवार सुबह सऊदी अरब के विदेश मामलों के राज्य मंत्री आदिल अल-जुबैर के साथ अच्छी बैठक हुई। जयशंकर ने भारत द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ स्थानों पर आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए गए सैन्य हमलों का जिक्र करते हुए कहा, ''हमने आतंकवाद का दृढ़ता से मुकाबला करने पर भारत के दृष्टिकोण को साझा किया। सऊदी मंत्री की जयशंकर के साथ बैठक ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के नई दिल्ली आने के कुछ घंटों बाद हुई, जो जयशंकर

के साथ द्विपक्षीय संयुक्त आयोग की बैठक की सह-अध्यक्षता करने के लिए पहले से तय यात्रा पर थे।

अराघची ने हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की पेशकश करके नई दिल्ली में हलचल मचा दी थी। परमाणु-सशस्त्र पड़ोसियों के बीच व्यापक संघर्ष को टालने के प्रयास में मध्यस्थ के रूप में खुद को स्थापित करने के ईरान के प्रयास के बीच, दशकों की शत्रुता से प्रेरित संघर्ष को सुलझाने के लिए किसी तीसरे देश की निष्पक्षता, लाभ और क्षमता के बारे में पाकिस्तान में अटकलें लगाई जा रही थीं।

पाकिस्तान ने भारत की ओर दागी मिसाइल, एंटी मिसाइल सिस्टम ने ब्लास्ट से पहले ही ध्वस्त की

अमृतसर से सटे तीन गांवों में तीन मिसाइलें गिरी मिली

अमृतसर।

ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाया पाकिस्तान अब जम्मू कश्मीर के बार्डर इलाकों में लोगों को निशाना बनाने के बाद पंजाब में भी ऐसी ही नापाक हरकत हुई है। अमृतसर से सटे तीन गांवों में तीन मिसाइलें गिरी मिली हैं। ये मिसाइलें ब्लास्ट से पहले ही ध्वस्त हुई थी।

बुधवार और गुरुवार की दरमियानी रात 1 बजे अमृतसर में धमाकों की कई आवाजें सुनाई दी थीं, इस अमृतसर के एसएसपी ने सोनिक साउंड बताया था और लोगों को न घबराने की अपील की थी। लेकिन अब इन मिसाइलों की बरामदगी से साफ हो रहा हैं कि देर रात हुए धमाकों की आवाज इन्हीं की थी और पाकिस्तान की ओर से आई इन मिसाइलों को भारत के एंटी मिसाइल सिस्टम ने आसमान में ही धवस्त कर दिया।

दरअसल पंजाब बोर्डर पर भी एंटी मिसाइल सिस्टम सक्रिय है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तान की तरफ से आई मिसाइल को भारत के एंटी मिसाइल सिस्टम ने मार गिराया है। हालांकि इस वीडियो की पुष्टि नहीं हुई है।

अमृतसर के गांव दुधाला, जेठूवाल और पंधेर में फटी हुई मिसाइलें मिली हैं। अमृतसर ग्रामीण के एसएफपी मनिंदर सिंह ने कहा कि इसकी जानकारी आर्मी को दी गई है। आर्मी की टीम इन्हें कब्जे में लेकर इनकी जांच करेगी। इसके बाद ही इस संबंध में कुछ कहा जा सकता है।

एयर स्ट्राइक के बाद जंग के आसार होने पर बीएसएफ ने भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे गांवों को खाली करने के आदेश जारी किए थे, जिसके बाद गांव के लोग अपने परिवार के बच्चों और महिलाओं को कीमती सामान सहित गांव से निकालकर किसी सुरक्षित स्थान पर चले गए हैं। गांव खाली करने का ये सिलसिला बीती रात भारत के हमले के बाद से ही शुरु हो गया था। कई गांवों के लोग रात को ही सामान लेकर गांव खाली करके जाने लगे थे और दिन निकलते निकलते सीमा से सटे गांवों के लोग सामान सहित रिश्तेदारों के घर चले गए।

वैश्विक अंतरिक्ष अन्वेषण सम्मेलन में नासा के प्रतिनिधि रहे अनुपस्थित, कारण पैसे की तंगी तो नहीं

नई दिल्ली।

दिल्ली में आयोजित तीन दिवसीय वैश्विक अंतरिक्ष अन्वेषण सम्मेलन में अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के प्रतिनिधियों की अनुपस्थिति ने सभी का ध्यान खींचा है। नासा के करीब एक दर्जन अंतरिक्ष यात्रियों और वैज्ञानिकों को सम्मेलन में भाग लेने की उम्मीद थी, लेकिन उन्हें अपनी भागीदारी रद्द करनी पड़ी। सूत्रों ने बताया कि पैसों की कमी के चलते नासा के प्रतिनिधि भारत नहीं आए। 35 देशों के प्रतिनिधि, चीन, जापान, कनाडा और यूरोप की प्रमुख अंतरिक्ष एजेंसियों के आधा दर्जन अधिकारी, 1700 से अधिक प्रतिनिधि और 10 अंतरिक्ष यात्री ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बने। लेकिन इस भव्य सम्मेलन में दुनिया की सबसे बड़ी स्पेस एजेंसी नासा से कोई नहीं आया। आयोजन समिति के सदस्य ने बताया कि नासा का प्रतिनिधित्व इस बार इसलिए नहीं हुआ, क्योंकि उन्हें यात्रा और भागीदारी के लिए फंड उपलब्ध नहीं कराए गए। यह सम्मेलन अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति और सहयोग पर चर्चा के लिए आयोजित हुआ था। बताया जा रहा है कि अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में वापसी के बाद उनकी सरकार ने वित्त वर्ष 2026 के बजट में बड़े पैमाने पर कटौती की है। इसके चलते नासा के कई मिशन रद्द या स्थगित हुए हैं, जिसमें मंगल ग्रह से सैंपल लेकर आने वाला मिशन भी शामिल है। इन कटौतियों का असर नासा के अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भागीदारी पर भी पड़ा है। भारत ने पहली बार जीएलईएक्स की मेजबानी की है और इस वर्ष इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में इतिहास की सबसे अधिक भागीदारी देखी जा रही है। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष यात्री संघ और इसरो द्वारा आयोजित कार्यक्रम भारत के बढ़ते अंतरिक्ष कद को भी दिखाता है। एक आईएएफ सदस्य ने बताया कि नासा इस समय अंदरूनी बदलाव के दौर से गुजर रहा है और प्रमुख विभागों के प्रमुख भी अभी स्थायी रूप से नियुक्त नहीं हुए हैं, जिससे इसकी उपस्थिति और भी मुश्किल हो गई।

भले ही नासा की अनुपस्थिति ने कुछ सवाल खड़े किए हों, लेकिन सम्मेलन में अन्य देशों की सक्रिय भागीदारी और रिकॉर्ड संख्या में प्रतिनिधियों की मौजूदगी ने एक ऐतिहासिक मौका बना दिया है। सम्मेलन में अंतरिक्ष अन्वेषण के

भविष्य, चंद्र और मंगल मिशनों, और जलवायु परिवर्तन के अध्ययन में अंतरिक्ष टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल जैसे विषयों पर चर्चा हुई। इसके अलावा, निजी अंतरिक्ष कंपनियों, जैसे कि स्पेसएक्स और ब्लू ओरिजिन, के प्रतिनिधियों ने भी अपनी योजनाओं को प्रस्तुत किया।

भारत के यूएवी ड्रोन को मार गिराने के पाकिस्तान के दावे की सच्चाई आई सामने

अमृतसर।

भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर को जिस सफलता के साथ पूरा किया है, पाकिस्तानी सरकार और उनकी मुनीर की सेना घबरा गई है। बौखलाहट इसलिए, क्योंकि भारतीय सेना के हवाई हमलों का वह कोई जवाब नहीं दे सका और आतंकियों को पनाह देने वाला पाकिस्तान का मुखौटा अब दुनिया के सामने उतर चुका है। सोशल मीडिया पर पाकिस्तान समर्थक जोर शोर से दावा कर रहे हैं कि पाकिस्तानी सेना ने भारत का एक यूएवी ड्रोन गुजरांवाला में मार गिराया है। इस दावे को एक तस्वीर के साथ पेश किया गया है, इसमें एक टूटे हुए ड्रोन के हिस्से दिखाई दे रहे हैं। यूएवी ड्रोन मानवरहित हवाई यान होता है। यह एक ऐसा हवाई उपकरण होता है, इस बिना पायलट के उड़ाया जाता है, यानी रिमोट कंट्रोल से या पहले से तय प्रोग्राम के अनुसार ऑटोमेटिक रूप से उड़ाया जाता है। पाकिस्तान की ओर से किए जा रहे

दावे की जब पड़ताल हुई तब सच्चाई कुछ और ही निकली। वायरल तस्वीर दरअसल रूस-यूक्रेन युद्ध (2022) की है और उसका भारत या पाकिस्तान से कोई लेना-देना नहीं है। यानी यह दावा पूरी तरह भ्रामक और फर्जी प्रचार का हिस्सा है, जिसका मकसद सोशल मीडिया पर सनसनी फैलाना है।

संक्षिप्त समाचार

प्रतिशोध का कोई अंत नहीं, पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती का पोस्ट

जम्मू।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख और पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जब प्रतिशोध का कोई अंत नहीं होता है, तब बेजुबान और असहाय लोगों को असहनीय कीमत चुकानी पड़ती है। महबूबा की यह टिप्पणी नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा सीमा पार से की गई गोलाबारी के बाद आई है। महबूबा ने पोस्ट में कहा, ''पहलगाम में हुए भयावह हमले के बाद, मुझे लगा कि मैंने त्रासदी की गहराई देख ली है। लेकिन आज जब मैंने भारत-पाकिस्तान तनाव की गोलीबारी में मारे गए मासूम बच्चों की भयावह तस्वीरें देखीं, तब मुझे एहसास हुआ कि अभी और भी बुरा समय आने वाला है।'' उन्होंने लिखा, ''जब प्रतिशोध का कोई अंत नहीं होता, तब बेजुबान और असहाय लोग असहनीय कीमत चुकाते हैं, उनका छीन लिया गया भविष्य, एक ऐसा घाव है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।''

ऑपरेशन सिंदूर 2.0 को लेकर पीएम मोदी से मिले एनएसए डोभाल

नई दिल्ली। पाकिस्तान के साथ जारी तनाव के बीच मोदी सरकार ने गुरुवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी भी पहुंचे। बैठक शुरू होने से ठीक पहले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने उनके आवास पर पहुंचे। बताया जा रहा हैं कि मोदी सरकार आतंकवाद पर बड़ा हमला करने वाली है। सूत्रों के हवाले से बताया गया हैं कि मोदी सरकार और सेना फिर से एयरस्ट्राइक करने की तैयारी कर रही हैं। दरअसल एयरस्ट्राइक में आतंकियों के 9 ठिकानों को निशाना बनाया गया था। वहीं अन्य ठिकानों पर भी भारतीय सेना हमला कर सकती है। कश्मीर में आतंकियों के पैर उखाड़ने के लिए पाकिस्तान की ओर सीमा के आसपास आतंकियों को ठिकानों को तबाह करना जरूरी है।

गुजरात पुलिस ने 300 घुसपैठियों को बांग्लादेश डिपोर्ट किया

अहमदाबाद। गुजरात पुलिस ने हाल ही राज्य के विभिन्न शहरों से पकड़े गए 300 जितने घुसपैठियों को विशेष विमान के जरिए बांग्लादेश रवाना कर दिया। विशेष विमान से घुसपैठियों को अगरतला ले जाया गया और वहां से वाहनों के जरिए बांग्लादेश डिपोर्ट कर दिया गया।गुजरात पुलिस के इतिहास में यह पहला अमेरिकी शैली का निर्वासन अभियान है। यह मिशन अवैध होने की पुष्टि होने के बाद एक से अधिक चरणों में चलाया गया। बांग्लादेशियों को अगरतला में विमान से उतरने के बाद वाहनों में छोड़ दिया गया है। पहलगाम हमले के दो सप्ताह बाद भारत ने पाकिस्तान में आतंकवादी शिविरों को नष्ट करने के लिए हवाई हमले किए हैं। उस समय गुजरात में अवैध रूप से घुस आए बांग्लादेशियों को वापस भेजने के लिए एक गुप्त अभियान चलाया गया था। गुजरात पुलिस ने अहमदाबाद और सूरत सहित राज्य के कई जिलों में अवैध रूप से प्रवेश कर रहे बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया था। अहमदाबाद से 800 और सूरत से 134 बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए सभी लोगों के दस्तावेजों की जांच की गई और उनके पास मिले दस्तावेजों के आधार पर यह जांच की गई कि क्या वे अवैध रूप से रह रहे थे। इसके अलावा, जांच में पता चला कि सूरत में 134 में से 90 लोग अवैध थे। यह भी पता चला कि अहमदाबाद में 200 से अधिक बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे थे। इसके बाद बांग्लादेशियों को निर्वासित करने की प्रक्रिया को अंजाम दिया गया।

ईमेल से मिली एसएमएस स्टेडियम को उड़ाने की धमकी, जांच के बाद स्टेडियम सील

जयपुर। जयपुर के एसएमएस स्टेडियम को गुरुवार को बम से उड़ानें की धमकी मिली है। खेल परिषद के अध्यक्ष ने बताया कि गुरुवार सुबह 9:13 पर ईमेल मिला। कर्मचारियों ने ईमेल को ओपन करके देखा तो उसमें स्टेडियम को बम से उड़ने की धमकी दी गई थी। मेल में लिखा था- ऑपरेशन सिंदूर के सफल होने के बाद अब एसएमएस स्टेडियम को बम से उड़ाया जाएगा। मेल मिलने के बाद पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। कंट्रोल रूम ने सभी अधिकारियों को बम का मेल मिलने की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस, क्यूआरटी, बम निरोधक दस्ता समेत कई टीमें स्टेडियम पहुंची। स्टेडियम को खाली कराया गया। स्टेडियम के बाहर का इलाके और बिल्डिंग में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। बम की सूचना मिलने के बाद एडिशनल पुलिस कमिश्नर, डीसीपी साउथ समेत कई पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे गए थे। पुलिस मेल भेजने वाले की पहचान करने की कोशिश में जुट गई है। साइबर टीम को भी अलर्ट कर दिया गया है। सुरक्षा की दृष्टि से स्टेडियम को पूरी तरह सील कर दिया है।

सामूहिक पंजीकरण शिविर में 98 श्रमिकों को जारी हुए ई-श्रम कार्ड

जयपुर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर-प्रथम व द्वितीय के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को रोड नम्बर 14 विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित मजदूर चौखटी पर सामूहिक पंजीकरण शिविर का आयोजन किया गया। श्रम विभाग, कॉमन सर्विस सेन्टर, ट्रेड यूनियन, एक्शन एड तथा आजीविका एनजीओ के सहयोग एवं समन्वय से आयोजित शिविर में 98 श्रमिकों का मौके पर ही ऑनलाईन ई-श्रम कार्ड जारी किया गया, साथ ही 44 श्रमिक कार्ड फार्म भरवाए गए एवं 180 से अधिक श्रमिक हाजिरी डायरी वितरित की गई।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला के सचिव श्री पवन कुमार जीनवाल तथा श्री दीपेन्द्र माथुर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर प्रथम ने चौखटी पर उपस्थित श्रमिकों को उनके विधिक अधिकारों, श्रम विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की।

श्री जीनवाल ने यह भी बताया कि साथ ही श्री जीनवाल ने यह भी बताया कि जो श्रमिक आज के शिविर में ऑनलाईन पंजीकरण से वंचित रह जाएगें, उनके लिए दिनांक 8 मई को इंडिया गेट सीतापुरा इण्डस्ट्रियल एरिया स्थित मजदूर चौखटी पर भी ऑनलाईन पंजीकरण शिविर का आयोजन कर श्रमिकों के ई-श्रम कार्ड जारी किये जाएगें जिससे कि उन्हें श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं जैसे निर्माण श्रमिक शिक्षा एवं कौशल विकास योजना, निर्माण श्रमिक जीवन व भविष्य सुरक्षा योजना, सिलिकोसिस पीड़ित हिताधिकारियों हेतु सहायता योजना, हिताधिकारी की सामान्य

अथवा दुर्घटना में मृत्यु या घायल होने की दशा में सहायता योजना, प्रसूति सहायता योजना, शुभशक्ति योजना, निर्माण श्रमिक सुलभ्य आवास योजना, निर्माण श्रमिक औजार /टूलकिट सहायता योजना, निर्माण श्रमिक एवं उनके आश्रित बच्चो द्वारा भारतीय/राजस्थान प्रशासनिक सेवा हेतु आयोजित प्रारम्भिक प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण करने पर प्रोत्साहन योजना एवं अन्य योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सकेगा। ऑनलाईन पंजीकरण हेतु श्रमिकों को आधार कार्ड, बैंक पासबुक तथा मोबाइल साथ लेकर मौके पर आना होगा।

शिविर के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला से पीएलवी रूद्र प्रताप सिंह व चंद्रकांता सैनी ने श्रमिकों का ऑनलाइन पंजीकरण करने में सहायता प्रदान की।

शिविर के दौरान श्रम विभाग से श्री संदीप भामू व श्री अभिषेक सिंह शेखावत, सीएससी से श्री भवानी सिंह बुनकर, श्री नरेन्द्र कुमार, श्री लोकेश, सुभाष, सुशील कुमार, विकास, राजस्थान निर्माण मजदूर सुरक्षा संघ से रमेश जी, राजस्थान निर्माण मजदूर पंचायत संगठन से श्री चुन्नीलाल कुमावत व रिंकू, एक्शन एड एनजीओ से मूलचंद शर्मा, हेमलता कसौटियां, अक्षत, कोमल, कामिनी, आजीविका ब्यूरो से भंवरलाल कुमावत व ममता वर्मा, जन साहस संस्था धर्मराज बैरवा, हेमराज, जीनू, श्री अल्पेश जांगिड, पार्वती कंवर, सतीश सैनी व अन्य उपस्थित रहे।

श्रीरामजानकी विवाह सम्मेलन की शोभायात्रा का भव्य स्वागत, 15 जोड़ों ने रचाई सात फेरों की पवित्र डोर

टोंक। टोंक शहर शनिवार को भक्ति, सेवा और सामाजिक समरसता के अद्भुत संगम का साक्षी बना। सेवा भारती समिति टोंक द्वारा आयोजित श्रीरामजानकी सर्वजातीय निशुल्क विवाह सम्मेलन में 15 नवयुगलों ने वैदिक विधि-विधान से एक-दूजे का हाथ थामा। विवाह स्थल, तालकटोरा स्थित सेंट सोल्जर महाविद्यालय, मंगलमय मंत्रोच्चार और संस्कारों की पवित्र आभा से गूंज उठा।

विवाह सम्मेलन का आयोजन संत महामंडलेश्वर डॉ. मनीषदास महाराज, संत दूधिया बालाजी रामजी महाराज, संत रामजी महाराज रामद्वारा, संत प्रभुदास महाराज कबीरपंथी और डॉ. पंडित पवन सागर के सानिध्य में संपन्न हुआ। आयोजन में न केवल धार्मिक भावनाओं का संगम देखने को मिला, बल्कि समाज के हर वर्ग की भागीदारी ने इसे एक समरसता के उत्सव में बदल दिया।

शोभायात्रा बनी आकर्षण का केंद्र

सुबह 9 बजे गीता मंदिर घंटाघर से निकली शोभायात्रा ने टोंक शहर की सड़कों को एक भक्तिमय उल्लास से भर दिया। सेवा भारती के पदाधिकारियों द्वारा दूल्हों को घोड़ी पर और दुल्हनों को सुसज्जित कंटेनर गाड़ी में बैठाया

गया। बारात शहर के मुख्य बाजारों से गुजरते हुए विवाह स्थल तक पहुँची। रास्तेभर शोभायात्रा का सर्वसमाज द्वारा पुष्पवर्षा और जलपान से स्वागत किया गया। सुभाष बाजार, घंटाघर, सवाईमाधोपुर चौराहा जैसे प्रमुख स्थलों पर बारातियों का अभिनंदन हुआ, जिसमें सभी जातियों और समुदायों के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शहर का हर वर्ग शामिल

इस आयोजन में केवल धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि ही नहीं, बल्कि प्रशासनिक, राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र की भी विशिष्ट उपस्थिति रही। बारात में क्षेत्रीय सेवा प्रमुख शिवलहरी, प्रान्त मंत्री गिरधारी, भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रवीर सिंह चौहान, जिलाप्रमुख सरोज बंसल, पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता, नगर पालिका चेयरमैन सोनिया मनीष सोनी सहित कई जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

महिला शक्ति का योगदान

विवाह स्थल पर सेवा भारती की महिला इकाई ने भी अपने कर्तव्य का सुंदर निर्वहन किया। शशि कटियार, मीना सागर और ममता शर्मा सहित अन्य महिलाओं ने पुष्पवर्षा कर बारात का स्वागत किया और मंच व्यवस्था में योगदान दिया।

सात फेरे, एक जीवन

संतों के आशीर्वाद और पंडित पवन सागर के नेतृत्व में सभी 15 जोड़ों का विधिवत पाणिग्रहण संस्कार सम्पन्न हुआ। मंगल गीत, हवन और मंत्रोच्चार के बीच इन जोड़ों ने जीवनभर एक-दूसरे का साथ निभाने का संकल्प लिया।

कार्यकर्ताओं की समर्पित सेवा

सम्मेलन की सफलता में सेवा भारती के सैकड़ों कार्यकर्ताओं की मेहनत झलकती रही। आवास, भोजन, मंच सज्जा, टेंट, सुरक्षा, रेखांकन, रंगोली और स्वच्छता-हर व्यवस्था व्यवस्थित और अनुशासित दिखी। मुरारी सिंहल, धर्मेंद्र सिंह राजावत, एडवोकेट शैलेन्द्र शर्मा और राजू खंडेलवाल जैसे कार्यकर्ताओं की सेवाओं की सराहना आगंतुकों ने खुले दिल से की।

बड़पीपली बालाजी धाम जनकल्याण के दुर्लभ अनुष्ठानों और जीव सेवा की कड़ी मे नविन अनुष्ठान प्रारंभ हुआ

पिछले 8 सालों से निरंतर दुर्लभ अनुष्ठान धाम में हुए है

बड़पीपली बालाजी महाराज की असीम कृपा से 12/4/25 को एक वर्षीय अनुष्ठान का निर्विघ्न समापन हुआ, एक वर्षीय अनुष्ठानो की नई श्रृंखला शुरू हो गई है, जिसमे 3 अनुष्ठान विशेष रहेंगे

बालाजी महाराज की कृपा से अखंड जोत के साथ हनुमान चालीसा, हनुमानाष्टक और बजरंग बाण आहुति संग किये जाएंगे, अखंड राम धूनी रहेगी, रामचरित्रमानस के 108 पाठ का आयोजन होगा धाम में अनुष्ठान का प्रारम्भ 7/5/25 को सांय काल

7 बजे से होगा, बड़पीपली बालाजी के सभी भक्त इस नवीन शुभारम्भ का हिस्सा बन बालाजी की कृपा प्राप्त की एवम् बाबा का आशीर्वाद लिया और अपनी मनोकामना पूर्ण हेतु बाबा के नारियल लगाया एवम् भोजन परसादी ग्रहण की जनकल्याण का यह महा यज्ञ धाम के प्रमुख सेवक परमेन्द्र नाथ जी के सानिध्य में होगा।

सामूहिक विवाह की खुशी मातम में बदली, ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, दो युवतियों समेत 5 की दर्दनाक मौत

बूंदी 7 खुशियों से भरी बारात का कारवां कब मातम में बदल जाएगा, किसी ने सोचा नहीं था। बूंदी जिले के लाखेरी रोड पर गुरुवार को एक दर्दनाक हादसे में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई, जिसमें दो युवतियों, दो महिलाओं और एक मासूम बच्ची समेत 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

यह हादसा गुरुवार सुबह करीब 11:30 बजे खटकड़ क्षेत्र में स्टेट हाईवे पर हुआ। ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार करीब 40 लोग चौतरा का खेड़ा गांव से माटुंडा गांव में बैरवा समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में शामिल होने जा रहे थे।

बूंदी कलेक्टर अक्षय गोदारा ने बताया कि ट्रैक्टर चालक स्टेट हाईवे पर सामने से आ रही एक बाइक को बचाने की कोशिश में ट्रॉली से संतुलन खो बैठा और वाहन पलट गया। ट्रॉली में बैठे दर्जनों लोग उसके नीचे दब गए।

हादसे में 8 साल की मासूम किरण, 20 वर्षीय कृष्णा और कोमल, 35 साल की ज्योति, और 55 साल की शांति बाई की मौके पर ही मौत हो गई। सभी मृतक बैरवा समाज से ताल्लुक रखते थे और एक ही विवाह समारोह में शामिल होने जा रहे थे।

रेस्क्यू चला आधे घंटे, JCB से उठाई गई ट्रॉली

हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और ट्रॉली के नीचे दबे लोगों को बाहर निकालने की कोशिश की। पुलिस भी मौके पर पहुंची और छुष्टक

मशीन की मदद से ट्रॉली को सीधा किया गया। तीन एंबुलेंस से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

अस्पताल पहुंचे कलेक्टर और स्क एक की हालत नाजुक

सीएचसी खटकड़ प्रभारी डॉ. परमानंद मीणा के अनुसार सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बूंदी जिला अस्पताल रेफर किया गया। एक घायल की हालत गंभीर होने पर उसे कोटा रेफर किया गया है। कलेक्टर अक्षय गोदारा और एसपी राजेंद्र कुमार मीणा ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना।

सवालों के घेरे में लापरवाही

ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रैक्टर-ट्रॉली से लोगों को ढोना आम है, लेकिन प्रशासनिक सख्ती के अभाव में ये वाहन दुर्घटनाओं की वजह बनते जा रहे हैं। सामूहिक विवाह जैसे आयोजनों में उत्सव की जगह अब चीत्कार सुनाई देती है।

सवाई मान सिंह स्टेडियम में बम धमकी के बाद एजेंसियां अलर्ट

जयपुर। राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बताया कि प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से इस विषय में विस्तार से चर्चा की गई है। राठौड़ ने कहा कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। राजस्थान के कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने सवाई मान सिंह स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी के बाद उत्पन्न हालात को लेकर बयान जारी किया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच पर जानकारी दी कि इस मामले में प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से विस्तारपूर्वक चर्चा की गई है। जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी के मामले में प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की।

स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड में हैं। राठौड़ ने कहा कि स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि देश और प्रदेश की सुरक्षा ही सर्वोच्च प्राथमिकता है और हर स्तर पर सतर्कता बरती जा रही है। सवाई मान सिंह स्टेडियम में संभावित खतरे को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है। फिलहाल स्टेडियम और उसके आसपास का इलाका पूरी तरह सुरक्षित है। प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की सक्रियता के चलते किसी भी अप्रिय घटना की आशंका नहीं है। अधिकारी लगातार निगरानी बनाए हुए हैं और आम जनता से भी सतर्क रहने की अपील की गई है।

दिव्यांगजनों के अधिकारों पर केंद्रित हुई संसद की समिति की बैठक, सांसद मुरारी लाल मीना ने रखे अहम सुझाव

दौसा। संसद की सामाजिक न्याय और अधिकारिता संबंधी स्थायी समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक संसद भवन में आयोजित की गई।

बैठक का विषय था-सुगम्य भारत अभियान के अंतर्गत दिव्यांगजनों के लिए सुविधाजनक वातावरण की समीक्षा। इस दौरान समिति ने विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के साथ मिलकर दिव्यांगजनों के हित में की जा रही पहलों और उनकी चुनौतियों पर मंथन किया।

बैठक में शिक्षा मंत्रालय (एनसीईआरटी, यूजीसी सहित), आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय (सीपीडब्ल्यूडी, एनबीसीसी सहित), इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय तथा वित्तीय सेवाएं विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

दौसा से सांसद मुरारी लाल मीना ने बैठक में दिव्यांगजनों की ज़रूरतों पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि देशभर के बैंकों में दिव्यांगजनों और बुजुर्गों के लिए रैंप जैसी सुगम पहुंच सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि वे बिना किसी बाधा के बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठा सकें।

मीना ने यह भी सुझाव दिया कि संबंधित सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि दिव्यांगजनों के लिए तय आरक्षण का पूरी तरह से पालन हो। उन्होंने रिक्त पदों की शीघ्र पूर्ति का भी आग्रह किया, ताकि दिव्यांगजनों को रोजगार के अवसर समय पर मिल सकें।

बैठक में यह भी तय किया गया कि सुगम्य भारत अभियान के तहत जिन भवनों और सार्वजनिक स्थलों को दिव्यांगजनों के अनुकूल बनाया जाना है, वहां प्रगति की समीक्षा नियमित रूप से की जाएगी, ताकि किसी स्तर पर लापरवाही न हो।

राजस्थान में बांग्लादेशी और रोहिंग्या के निष्कासन संबंधी नवीन दिशा-निर्देश जारी

जयपुर। राज्य के गृह विभाग ने वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए सभी जिला कलेक्टर एवं मजिस्ट्रेट को बांग्लादेशी/रोहिंग्या के निष्कासन संबंधी नवीन दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह आनंद कुमार ने बताया कि गृह मंत्रालय भारत सरकार के पत्र में प्राप्त दिशा-निर्देशो की अनुपालना में राज्य में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी व म्यांमार नागरिकों की पहचान, निरूद्धीकरण व प्रत्यर्पण हेतु प्रभावी कार्यवाही हेतु प्रत्येक जिले में विशेष टास्क फोर्स एवं होल्डिंग सेंटर की स्थापना सुनिश्चित कराने के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

स्कूल शिक्षा परिवार ने लगाया वाटर कूलर

विशेष संवाददाता

गंगापुर सिटी। कल कुशालगढ़ के बाबा श्याम मंदिर पर स्कूल शिक्षा परिवार द्वारा वाटर कूलर लगाया गया। स्थापित वॉटरकूलर का सभापति शिवरतन अग्रवाल के द्वारा फीता काट कर उद्घाटन किया गया। उदघाटन से पूर्व गौरव तिवारी ने मंत्रोच्चार के साथ विधि विधान से वाटर कूलर का पूजन कराया। इस अवसर पर सभापति शिवरतन अग्रवाल ने बताया कि स्कूल शिक्षा परिवार द्वारा कुशालगढ़ के बाबा श्याम के मंदिर पर लगाया गया वाटर कूलर यह एक सराहनीय कार्य है। इस प्रकार के कार्यों में सामाजिक संस्थाओं को बढ़चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए।

जिला अध्यक्ष अनुज शर्मा ने बताया कि वाटर कूलर से शुद्ध व ठंडा पानी हमेशा मिलेगा व दर्शनार्थियों को इसका लाभ मिलेगा। वाटर कूलर स्कूल शिक्षा परिवार ब्लॉक गंगापुर सिटी द्वारा लगाया गया है। जिसमें मुख्य अतिथि नगर सभापति शिवरतन अग्रवाल, जिला अध्यक्ष अनुज शर्मा, जिला प्रभारी राजेश शर्मा, जिला आरटीई प्रभारी नीटू सिंह धावाई, श्याम मंदिर कमेटी के अध्यक्ष राजेंद्र दुशाद जी, ब्लॉक अध्यक्ष राजकुमार मिश्रा, महेंद्र जैन, गोविंद पाराशर, सुरेंद्र सिंह राजपूत, धर्म प्रकाश आर्य, विष्णु शर्मा, शिव कुमार शर्मा, घनश्याम गुप्ता, शैलेंद्र गुप्ता, श्याम शर्मा, आदि मौजूद रहे।

बिजली से संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए विद्युत विभाग ने सार्वजनिक किए सम्पर्क सूत्र

सवाई माधोपुर। जिले में बिजली से संबंधित शिकायतों के त्वरित निस्तारण एवं उपभोक्ताओं की सुविधा हेतु विद्युत विभाग ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए अधिकारियों के मोबाइल नंबर सार्वजनिक किए हैं। अधीक्षण अभियंता बी.एल. मीना ने बताया कि उपभोक्ता बिजली से जुड़ी किसी भी समस्या की स्थिति में सीधे संबंधित अधिकारी से सम्पर्क कर सकते हैं। साथ ही, विभाग द्वारा जारी किए गए टोल फ्री नंबर 1800-180-6507 एवं 1912 पर भी 24 घंटे सहायता प्राप्त की जा सकती है।

अधीक्षण अभियंता ने बताया कि नियंत्रण कक्ष इंचार्ज के मोबाइल नंबर 9413383132 एवं सवाई माधोपुर में अधिशाषी अभियंता ऐ.के. बुजेठिया 9413390431, सहायक अभियंता सुदर्शन मीना 9413390434, सत्य नारायण मीना 9413390435 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

इसी प्रकार मलारना डूंगर में सहायक अभियंता बृज राज मीना 9413389363, बौंली में राजेंद्र सिंह मीना 9413389719 एवं नरेन्द्र कुमार 9413390437, बामनवास में अजय मीना 9413390438, खण्डार में अशोक कुमार मीना 9413388086 एवं फरीद खान 9413390436, चौथ का बरवाड़ा में मनीष बबेरवाल 9413388084, गंगापुर सिटी में रूप सिंह गुर्जर 9413346032, राकेश वर्मा 9413390439 एवं राम चरण मीना 9414022958 तथा वजीरपुर में धनराज मीना 9413388048 पर सम्पर्क कर बिजली से संबंधित समस्याओं का निस्तारण करवाया जा सकता है।

बेजुबान पक्षियों के लिए लगाए परिंडे

विशेष संवाददाता

करौली । जिले की सपोटरा तहसील के ग्राम बैरूंण्डा में कल अनंत विजय सेवा संस्थान के तत्वाधान में आयोजित परिंडे आपके द्वार कार्यक्रम में बेजुबान पक्षियों के लिए परिंडे लगाए गए। इस अवसर पर संस्था के सलाहकार रामचरण बैरूंण्डा ने बताया कि ग्राम बैरूंण्डा हनुमान पुरा की सार्वजनिक जगहों स्कूल,मंदिरों, और जिम्मेदार लोगों के यहां 51 परिंडे लगाए गए। इस मौके पर सभी ने प्रतिदिन पानी भरने आदि की शपथ ग्रहण की साथ ही लोगों को जागरूक भी किया की यह संस्था पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, चिकित्सा, गरीब,

बुजुर्ग, बेसहारा और बेजुबान जानवरो की सेवा का कार्य करती है।

इस कार्यक्रम के दौरान कोषाध्यक्ष श्री अजयदीप सिंह, महासचिव श्री प्रदीप सिंह, सलाहकार रामचरण बैरूंण्डा,रमेश, महेश, सीताराम,मुनेश,केबल, मनोज, बिष्णु आदि टीम सदस्य मौजूद रहे।

निराश्रित घायल गौवंश प्रतिदिन सड़कों पर तड़प रहा

***गौशाला में कैसे पहुंचेगी जब नगर परिषद नही कर पा रहा कोई वाहन की व्यवस्था?**

***एक तरफ करोड़ों के नए वाहन भी नगर परिषद में बने कबाड़**

विशेष संवाददाता

गंगापुर सिटी मुख्यालय पर आजकल निराश्रित और बेसहारा गौवंश घायल अवस्था में सड़कों पर तड़फ रहा है। जिनको ना उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो पा रही है ना ही उनको गौशालाओं तक पहुंचाने की व्यवस्था हो पा रही है। अगर चिकित्सा सुविधा की बात की जाए तो ग्रामीण क्षेत्र में सरकार द्वारा चलाई जा रही 1962 वेटनरी वेन अपनी

सुविधाएं उपलब्ध करवा रही है लेकिन गंगापुर सिटी शहरी क्षेत्र में पशु चिकित्सा के लिए एकमात्र स्थान बहुउद्देशीय पशु चिकित्सालय जाट बडौदा में स्थित है। लेकिन जिम्मेदार नगर परिषद की लापरवाही की वजह से कोई वाहन व्यवस्था नहीं है। जिससे आमजन घायल गौवंश को ना पशु चिकित्सालय तक पहुंचा पा रहा है और ना ही गौशालाओं तक। मजेदार बात यह है कि पिछले समय में नगर परिषद गंगापुर सिटी के द्वारा करोड़ों रुपए के सफाई से संबंधित नए वाहन खड़े-खड़े कबाड़ में तब्दील कर दिए गए जिनका शहर में सफाई के लिए प्रयोग तक नहीं किया गया। लेकिन दूसरी ओर भ्रष्ट और नाकारा नगर परिषद घायल गौवंश को अस्पताल या गौशाला पहुंचाने तक की व्यवस्था नहीं कर पा रहा है। आखिर कब तक गौमाताओं की इस हालत के जिम्मेदार नगर परिषद के अधिकारी आंख मूंद कर गौमाताओं की ये हालत देखते रहेंगे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कजोड़मल मीना के लिए स्काईटक प्रिन्टर्स, 111, नवाब कल्लन का बाग, एमएलए क्वार्टर, नीयर समाचार जगत, एमआई रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 303, भव्य टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क जयपुर से प्रकाशित।
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी) समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्राधिकार जयपुर शहर होगा। मो. नं. 9928078717